श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

भारतीय रेल

गुजरात के विकास का सशक्त इंजन

त्वरित विकास एवं तेज गति से प्रगति की ओर बढ़ते कदम

2014 - मार्च 2024

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

देश को गति रेल से, और प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

परियोजना का संक्षिप्त विवरण

योजना शीर्ष	कुल परियोजना (सं.)	लम्बाई (किमी)	कुल लागत (₹)
नई लाइन	7	141	₹ 1455 करोड़
दोहरीकरण, तीसरी एवं चौथी लाइन	10	766	₹ 8381 करोड़
गेज परिवर्तन	12	729	₹ 6209 करोड़
विद्युतीकरण	30	4265 ट्रैक किलोमीटर	₹ 4753 करोड़

गुजरात के लिए बजट परिव्यय में वृद्धि

वार्षिक औसत बजट परिव्यय		
2009 - 14	2014 - 25	% वृद्धि
₹ 589 Cr	₹ 4696 Cr	697%

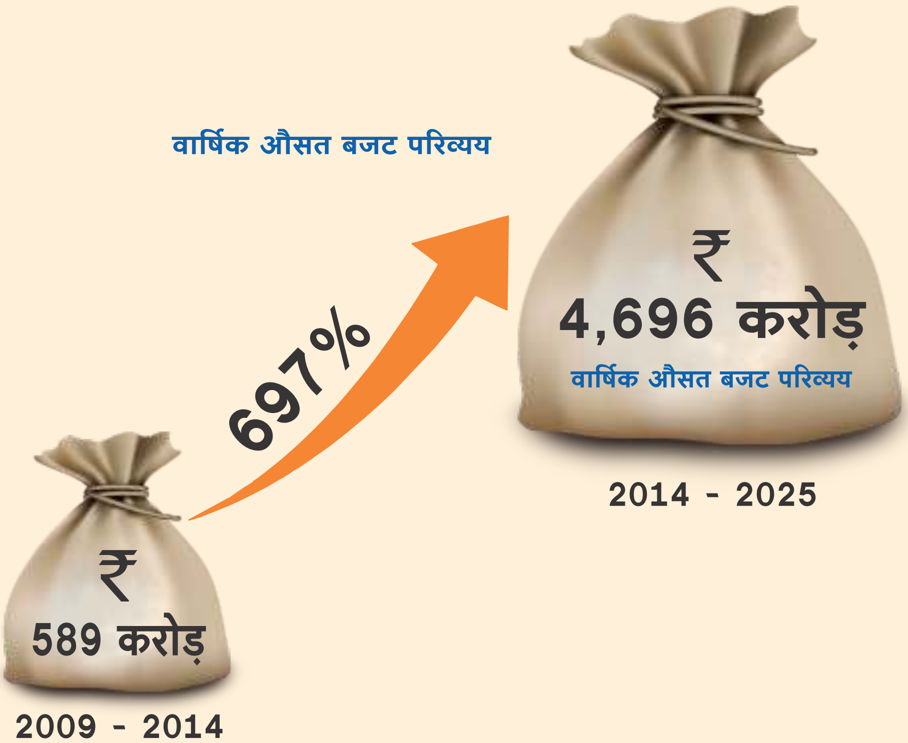

वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट की विशेषताएँ

- कुल परिव्यय 8587 करोड़ रुपये जो वर्ष 2009-14 में औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 1358% अधिक है

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

नई रेल लाइन परियोजनाएँ

2004 - 2014	2014 - 2024
20 किमी	141 किमी

683% औसत वार्षिक वृद्धि

नई लाइन परियोजनाएँ पूर्ण : 141 किमी

- पाटन - भिलड़ी
- छोटा उदेपुर - जोबट (गुजरात में 27 किमी.)
- टूना पोर्ट कनेक्टिविटी
- चांदोद - एकता नगर
- दाहोद - कटवारा
- विंडमिल - बेदी पोर्ट

नई लाइन परियोजनाएँ प्रगति पर

- भीमनाथ - धोलेरा
- दाहोद - इंदौर (गुजरात में 23 किमी)
- सोमनाथ - कोडिनार
- मोडासा - शामलाजी
- नलिया - जखाउ पोर्ट
- तारंगा हिल - आबू रोड वाया अंबाजी
- नलिया - वायोर
- गेरतपुर-साणंद और बोटाड-अहमदाबाद के बीच इंटरसेक्शन लाइनें (5 संख्या)
- जोबट-धार

चांदोद-एकता नगर खंड में ओरसंग पुल पर गुजरती ट्रेन

दोहरीकरण, तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना

दोहरीकरण कार्य की फास्ट ट्रैकिंग

40 किमी
2004 - 2014

766 किमी
2014 - 2024

1815% औसत वार्षिक वृद्धि

पूर्ण की जा चुकी परियोजनाएँ : 766 किमी

- राजकोट - सुरेन्द्रनगर
- उधना - उकाई सोनगढ़ - जलगाँव
- विरमगाम - सामाख्याली
- पालनपुर - सामाख्याली
- वटवा - अहमदाबाद तीसरी लाइन
- उधना - सूरत तीसरी लाइन
- पालनपुर - श्री अमीरगढ़ - आबू रोड
- महेसाणा - भांडु मोटीदाउ
- विरमगाम - सुरेन्द्रनगर
- आणंद - ओड
- पालनपुर - धारेवाड़ा

आणंद- गोधरा दोहरीकरण परियोजना का आणंद - ओड खंड

परियोजनाएँ प्रगति पर

- राजकोट - कानालुस दोहरीकरण
- आनंद - गोधरा दोहरीकरण
- महेसाणा - पालनपुर दोहरीकरण
- भटिंडा - भिलड़ी दोहरीकरण
- बारेजड़ी नांदेज (गेरतपुर) - साणंद चौथी लाइन (अहमदाबाद बाईपास)
- गांधीधाम - आदीपुर चौपदरीकरण
- सामाख्याली - गांधीधाम चौपदरीकरण
- साबरमती 'ए' और असारवा के बीच 'वाई' कनेक्टिविटी
- विश्वामित्री - डभोई दोहरीकरण

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

गेज परिवर्तन परियोजनाएँ

पूर्ण की जा चुकी गेज परिवर्तन परियोजनाएँ : 729 किमी

- अहमदाबाद - बोटाड
- अहमदाबाद-हिम्मतनगर-उदयपुर
- अहमदाबाद - साबरमती - महेसाणा
- न्यू भुज - देसलपुर
- महेसाणा - वडनगर - वरेठा
- डभोई - चांदोद
- ढसा - जेतलसर
- मियागाम करजन - डभोई
- कटोसन रोड - बेचराजी
- कटोसन रोड - अनखोल (इंजन रन)
- देसलपुर - नलिया (इंजन रन)
- बेचराजी - चाणस्मा - रणुज (इंजन रन)

गेज परिवर्तन परियोजनाएँ प्रगति पर

- कलोल - अनखोल
- डभोई - समलाया
- आदरज मोटी - विजापुर
- विजापुर - आम्बलियासन
- जूनागढ़ - वीसावदर
- मियागाम करजन - चोरन्दा - मालसर
- समनी - जम्बूसर
- समलाया - टिम्बा रोड
- नडियाद - पेटलाद
- पेटलाद - भादरण
- हिम्मतनगर - खेड़ब्रह्म
- कोसंबा - उमरपाडा
- जम्बूसर - कावी
- चोरन्दा - मोटी कोरल
- खीजडिया - अमरेली

अहमदाबाद - महेसाना गेज परिवर्तित खंड

गुजरात में रेलवे द्वारा किया गया विकास : 2014 - मार्च 2024

प्रमुख विद्युतीकरण कार्य

विद्युतीकरण कार्यों का समापन

ट्रैक किलोमीटर (TKM)

225 TKMs

2004 - 2014

4757 TKMs

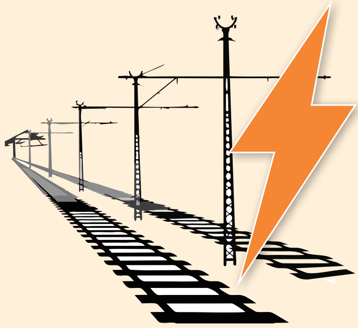

2014 - 2024

2014% औसत वार्षिक वृद्धि

गुजरात के ब्रॉड गेज नेटवर्क पर लगभग 95% विद्युतीकरण कार्य पूरा हो गया है

पूर्ण की जा चुकी परियोजनाएँ

- अहमदाबाद - पालनपुर
- अहमदाबाद - विरमगाम - सुरेंद्रनगर - राजकोट
- कनालुस - सिक्का के साथ राजकोट-ओखा
- महेसाणा - विरमगाम - ध्रांगध्रा - सामाख्याली
- कांडला पोर्ट - मुन्द्रा पोर्ट के साथ सामाख्याली-गांधीधाम-आदिपुर
- आदिपुर - न्यू भुज
- पालनपुर - सामाख्याली
- सुरेंद्र नगर - ध्रांगध्रा
- वांकानेर - दहिंसरा - मालिया मियाणा
- सिहोर - भावनगर के साथ धोला - सिहोर - पालिताना
- राजुला - महुवा
- झुंड - खाड़ाघोड़ा
- महेसाणा - पाटन - भीलडी
- राजकोट - गोंडल - जेतलसर - वेरावल
- नडियाद - मोडासा
- कनालुस - वाँसजालिया - पोरबंदर
- सुरेंद्रनगर - पिपावाव पोर्ट
- महेसाणा - वरेठा
- ढसा - जेतलसर
- विश्वमित्री - डभोई - एकतानगर
- आणंद - खंभात
- अहमदाबाद - महेसाणा

परियोजनाएँ प्रगति पर

- असारवा - हिम्मतनगर
- भीमनाथ - मोरैया

प्रमुख विद्युतीकरण कार्य

- सुरेंद्रनगर - पीपावाव विद्युतीकृत खंड (264 रूट किमी) 16 जुलाई, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित
- मंजूरी मिलने की तारीख से सिर्फ सात महीने में डभोई-बोडेली और आणंद-खंभात खंड का विद्युतीकरण पूरा
- सुरेंद्रनगर - बोटाड - ढोला (150 रूट किमी) के सबसे लंबे खंड की शुरुआत
- भारतीय रेल ने उच्चतम OHE वाले विद्युतीकृत खंड पर डबल स्टैक कंटेनर चलाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। ट्रेन की पहली यात्रा गुजरात के पालनपुर और बोटाड के बीच परिचालित की गई

डभोई - बोडेली RE

चंडीसर - भिलाड खंड

समपारों को हटाना

- 31 अक्टूबर, 2018 तक ब्रॉड गेज पर सभी मानवरहित समपार फाटकों को हटाया गया

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अवधि (2014-2024)
1	निर्मित सड़क ऊपरी पुल	165
2	निर्मित सड़क निचली पुल / लिमिटेड हाइट सब-वे	779
3	बंद किये गये समपार फाटक / मानवरहित समपार	1264
4	बंद किये गये मानवसहित समपार	614

मानवसहित समपार फाटक

सड़क निचली पुल (RUB)

सड़क ऊपरी पुल (ROB)

सड़क ऊपरी पुलों (RUB) / सड़क निचली पुलों (ROB) के निर्माण में वृद्धि

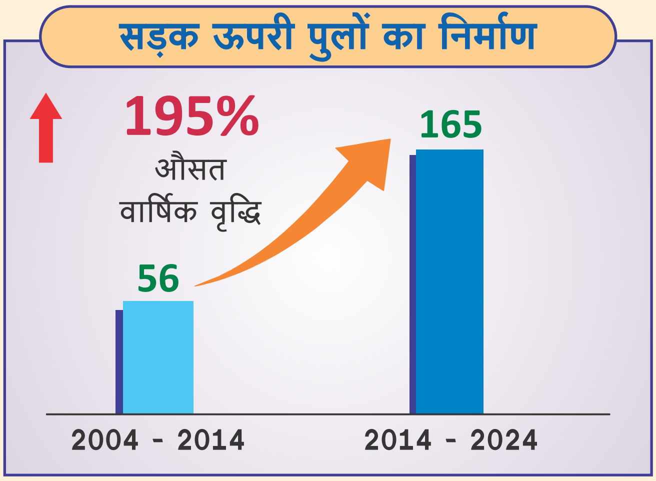

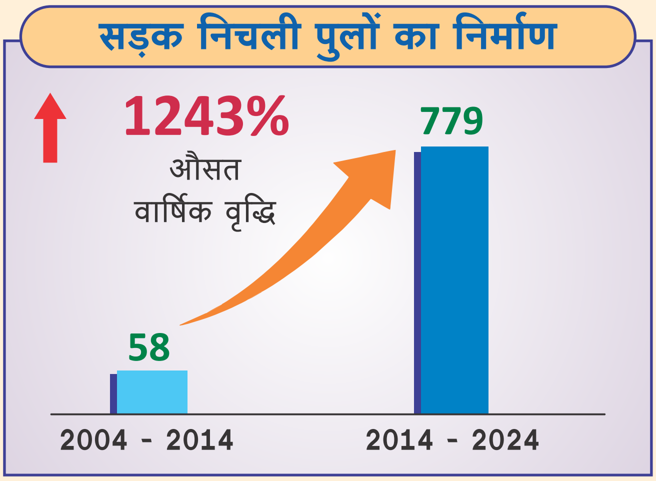

वंदे भारत एक्सप्रेसः भारत का गौरव

गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर, 2022 को महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों की राजधानियों को जोड़ने वाली भारत की तीसरी और पश्चिम रेलवे की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। गुजरात राज्य में अहमदाबाद - ओखा और अहमदाबाद (साबरमती) - जोधपुर के बीच चलने वाली दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गईं। 12 मार्च, 2024 को अहमदाबाद और मुंबई के बीच केसरी परिवेश वाली एक और वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की गई।

यह ट्रेन यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव और उन्नत संरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती है, जिसमें स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (कवच) शामिल है।

इस ट्रेन से पावर कारों को दूर करके भारतीय रेल के ग्रीन फुटप्रिंट को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिससे उन्नत रीजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम के साथ लगभग 30% बिजली की बचत हुई है।

यह यात्रियों को बेहतर आराम और सुविधा प्रदान करता है और साथ ही दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं भी प्रदान करता है।

गुजरात में चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें

गांधीनगर केपिटल ⇌ मुंबई सेंट्रल	अहमदाबाद ⇌ मुंबई सेंट्रल
अहमदाबाद ⇌ ओखा	अहमदाबाद (साबरमती) ⇌ जोधपुर

रेलवे स्टेशनों का अमृत स्टेशनों के रूप में परिवर्तन

- भारतीय रेल ने देश भर के प्रमुख स्टेशनों को "**नए भारत का नया स्टेशन**" के रूप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है ।
- रेलवे स्टेशनों के स्वरूप को बदलने के इस प्रयास में, भारतीय रेल ने एक दूरदर्शी नीति "**अमृत भारत स्टेशन**" योजना का अनावरण किया है ।
- इस योजना का लक्ष्य रेलवे स्टेशनों के बुनियादी ढांचे, सुविधाओं और सुख-सुविधाओं को बढ़ाकर और यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और अच्छा यात्रा अनुभव प्रदान करके रेलवे स्टेशनों को "**अमृत स्टेशनों**" के रूप में विकसित करना है ।
- पूरे पश्चिम रेलवे में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए 122 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 89 स्टेशन गुजरात में हैं ।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में 67 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई है। ये स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं का गौरव दिलाते क्षेत्र के शहरी केंद्रों के रूप में उभरेंगे ।

गुजरात में परिवर्तित होने वाले स्टेशन

❖ उमरगाम ❖ संजाण ❖ वापी ❖ बिलीमोरा जं. ❖ सचिन ❖ भेस्तान ❖ बारडोली ❖ बिलीमोरा (NG)
❖ मियागाम करजण ❖ अंकलेश्वर ❖ भरूच ❖ डेरोल ❖ कीम ❖ कोसांबा जं. ❖ महेमदावाद खेड़ा रोड
❖ गोधरा जं. ❖ विश्वामित्री जं. ❖ प्रतापनगर ❖ डभोई जं. ❖ डाकोर ❖ सायन ❖ उत्राण ❖ करमसद
❖ पालनपुर ❖ महेसाणा ❖ मणिनगर ❖ सामाख्याली ❖ विरमगाम ❖ पाटन ❖ सिद्धपुर ❖ उंझा
❖ चांदलोडिया ❖ भचाऊ ❖ धांगध्रा ❖ कलोल ❖ असारवा ❖ भीलडी ❖ वटवा ❖ हिम्मतनगर ❖ द्वारका
❖ सुरेंद्रनगर ❖ भक्तिनगर ❖ वांकानेर ❖ मोरबी ❖ हापा ❖ ओखा ❖ खंभालिया ❖ थान ❖ मीठापुर
❖ पडधरी ❖ भाटिया ❖ लखतर ❖ कानालूस जं. ❖ जामवंथली ❖ पोरबंदर ❖ वेरावल ❖ बोटाड जं.
❖ महुवा ❖ केशोद ❖ सोनगढ़ ❖ सावरकुंडला ❖ जाम जोधपुर ❖ चोरवाड रोड ❖ पालीताणा ❖ राजुला जं.
❖ सीहोर जं. ❖ लिंबडी ❖ भाणवड़ ❖ गोंडल ❖ दाहोद ❖ लिमखेड़ा ❖ दामनगर ❖ लालपुर जाम ❖ वडोदरा
❖ उदवाड़ा ❖ नवसारी ❖ आणंद ❖ नडियाद ❖ गांधीधाम ❖ जामनगर ❖ राजकोट ❖ भावनगर ❖ जूनागढ़

प्रतापनगर स्टेशन

द्वारका स्टेशन

उभरते भारत के आधुनिक स्टेशनों की रचना

वाणिज्यिक हब और वर्टिकल विकास का निर्माण

सूरत रेलवे स्टेशन

- 1475 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। (पहले चरण की लागत: 980 करोड़ रुपये)
- स्पेसिफिक स्पेशल पर्पज व्हीकल (SPV) का गठन - सूरत इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (SITCO)
- EPC निविदा सितंबर, 2022 में प्रदान की गई
- GSRTC भवन, पूर्वी ओर रेलवे स्टेशन और कॉनकोर्स का कार्य प्रगति पर है
- पूर्ण होने की अनंतिम अवधि: 48 महीने (चरण- I के लिए)

उधना रेलवे स्टेशन

- 223.6 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है
- EPC अनुबंध जुलाई, 2022 में प्रदान किया गया
- PMS निविदा 12 सितंबर, 2022 को प्रदान की गई; कार्य प्रगति पर है
- पूर्व की ओर परिसंचरण क्षेत्र एवं FOB का कार्य प्रगति पर है
- पूरा होने की अनंतिम अवधि: 24 महीने

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन

- नया स्टेशन शहर को फिर से परिभाषित करेगा, गुजरात की संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए आम आदमी को अद्वितीय सुविधा प्रदान करेगा
- 2384 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है
- EPC टेंडर नवंबर, 2023 में प्रदान किया गया
- पूरा होने की अनंतिम अवधि: 36 महीने

साबरमती रेलवे स्टेशन

- स्टेशन भवन ऐतिहासिक दांडी मार्च की थीम पर आधारित है
- 334.92 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है
- अगस्त, 2022 में EPC निविदा प्रदान की गई
- PMS निविदा नवंबर, 2022 में प्रदान किया गया और कार्य प्रगति पर है
- मुख्य स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, नये FOB, स्काईवॉक और नये पार्किंग क्षेत्र के कार्य प्रगति पर है
- पूरा होने की अनंतिम अवधि: 36 महीने

न्यू भुज रेलवे स्टेशन

- लगभग 202.86 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है
- EPC निविदा अक्टूबर, 2022 में प्रदान की गई
- PMS निविदा 12 दिसम्बर, 2022 को दिया गया और कार्य प्रगति पर है
- भवन के मुख्य प्रवेश द्वार कार्य प्रगति पर है
- पूरा होने की अनंतिम अवधि: 24 महीने

सोमनाथ रेलवे स्टेशन

- सोमनाथ रेलवे स्टेशन को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर के वास्तुशिल्प डिजाइन पर फिर से तैयार किया जा रहा है
- 157.4 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है
- EPC टेंडर जुलाई, 2022 में प्रदान किया गया
- PMS निविदा 03 दिसम्बर, 2022 को प्रदान की गई
- मौजूदा स्टेशन भवन को गिराने का काम पूरा कर लिया गया है और कार्य प्रगति पर है
- मुख्य भवन की नींव के लिए RCC का कार्य प्रगति पर है
- पूरा होने की अनंतिम अवधि: 24 महीने

PM गति शक्ति विश्वविद्यालय

गति शक्ति विश्वविद्यालय को भारत में परिवहन और लॉजिस्टिक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए 2022 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था। इसमें बहु-विषयक शिक्षण, प्रशासनिक प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और नीति सहित संपूर्ण परिवहन क्षेत्र (जैसे रेलवे, विमानन, बंदरगाह, शिपिंग, जलमार्ग, सड़क, राजमार्ग आदि) के लिए सर्वोत्तम श्रेणी के व्यवसायियों का रिसोर्स पुल बनाने का अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। GSV उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए मांग आधारित पाठ्यक्रम का पालन करता है। GSV (https://gsv.ac.in) में पहले से मौजूद डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय रेलवे और परिवहन संस्थान (NRTI) शामिल है।

21वीं सदी के लिए एक उद्योग-उन्मुख और नवाचार-आधारित विश्वविद्यालय बनने का लक्ष्य रखते हुए, GSV उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए मांग-संचालित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। GSV के छात्र परिवहन से संबंधित उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए एवं बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने के साथ-साथ भारतीय रेल के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों के बुनियादी ढांचे का लाभ लेंगे। साथ ही वे आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुविधाजनक शैक्षणिक विषयक दृष्टिकोण से, उच्च गुणवत्ता वाले संकाय के वैश्विक प्रदर्शन के माध्यम से वैश्विक आर्थिक प्रणाली की बढ़ती मांगों को निर्णायक रूप से पूरा करने के लिए खास तौर पर योग्य होंगे।

- परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए विशेषज्ञता के साथ बहु-विषयक तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रम
- इसमें 21वीं सदी के कौशल शामिल हैं: संचार, समालोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच और सहयोग
- अंतर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ अत्यधिक अनुभवी इन-हाउस और विजिटिंग फैकल्टी
- वैश्विक शैक्षणिक और उद्योग भागीदारी
- अत्याधुनिक हरित परिसर (वर्तमान और आगामी)

प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम

गति शक्ति विश्वविद्यालय नियमित छात्रों के साथ-साथ कार्यरत व्यवसायी दोनों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है :

बीटेक. प्रोग्राम (4 वर्ष) - JEE (मेन्स) और JOSSA के माध्यम से प्रवेश

- बीटेक. सिविल इंजीनियरिंग में (विशेषज्ञता: रेल इंजीनियरिंग)
- बीटेक. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में (विशेषज्ञता: रेल इंजीनियरिंग)
- बीटेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में (विशेषज्ञता: रेल इंजीनियरिंग)
- बीटेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में (विशेषज्ञता: रेल इंजीनियरिंग)
- बीटेक. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस में (विशेषज्ञता: परिवहन और लॉजिस्टीक)
- बीटेक. एविएशन इंजीनियरिंग

एमबीए प्रोग्राम (नियमित छात्रों के लिए)

- एमबीए (लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट)
- एमबीए (बंदरगाह और शिपिंग लॉजिस्टीक्स)

एमबीए प्रोग्राम (विशेषकर पेशेवर व्यवसायी के लिए)

- एमबीए (लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन मैनेजमेंट)
- एमबीए (मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन)
- एमबीए (मेट्रो रेल प्रबंधन)

एमटेक. कार्यक्रम (विशेषकर पेशेवर व्यवसायी के लिए)

- एमटेक. (इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम)
- एमटेक. (रेल इंजीनियरिंग)

इंजीनियरिंग और प्रबंधन दोनों में कार्यरत व्यवसायी के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम

कार्यकारी प्रशिक्षण: GSV क्षेत्र में सेवारत अधिकारियों और व्यवसायी के लिए संक्षिप्त अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है :

- IRMS अधिकारियों के लिए 4 सप्ताह का प्रबंधन मॉड्यूल आयोजित किया गया है
- भारतीय रेल अधिकारियों के लिए "रेलवे ग्राइंडिंग टेक्नोलॉजी" कार्यक्रम के 5 बैच आयोजित किए गए
- विमानन क्षेत्र में कार्यरत व्यवसायी के लिए "सुरक्षा प्रबंधन" कार्यक्रम 5-7 अगस्त 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

साझेदारी

PM गति शक्ति योजना की वास्तविक भावना को आत्मसात करने, GSV पहले से स्थापित निम्नलिखित साझेदारियों के माध्यम से पर्यावरण में सामंजस्य स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है

- उद्योग: नोकिया, प्लास्सर, जैकोब्स, एयरबस, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, निप्पॉन कोई, सीमेंस
- सरकारी: DPIIT, कर्मयोगी भारत, गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (GIDB), रेलटेल
- व्यावसायिक निकाय: VLSI सोसाइटी ऑफ इंडिया, चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट
- शैक्षिक साझेदारी (दृष्टिकोण जैसी सह-व्यवस्था का सृजन) : IIM मुंबई, BITS पिलानी, IIT गांधीनगर, IIT जोधपुर, NITTTR भोपाल, इंडियन मेरीटाईम विश्वविद्यालय, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट टांसपोर्ट विश्वविद्यालय मॉस्को के साथ

आगे का भविष्य...

गति शक्ति विश्वविद्यालय के लिए (लालबाग में निर्माणाधीन वर्तमान परिसर में) ऑडिटोरियम, हॉस्टल ब्लॉक, लैब ब्लॉक और प्रवेश प्लाजा सहित नया शैक्षणिक भवन (24 कक्षाएं, कंप्यूटर लैब, सम्मेलन कक्ष) होंगे ।

- कुल निर्मित क्षेत्र (Built Up Area) - 1,02,655 वर्गमीटर
- स्वीकृत लागत - 636 करोड़ रुपये
- समापन की लक्षित तिथि - सितंबर, 2026
- कुशल परियोजना प्रबंधन के लिए BIM (बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग) के माध्यम से परियोजना की योजना बनाई गई
- धारणीय पर्यावरण अनुकूल निर्माण।

भारत के लौह पुरुष को रेलवे का नमन

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक रेल कनेक्टिविटी

एकता नगर स्टेशन पर
स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की प्रतिकृति

- ब्रॉड गेज लाइन के माध्यम से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को रेल कनेक्टिविटी प्रदान की गई
- इसमें शामिल परियोजनाएं-
  - > डभोई और चांदोद के बीच गेज परिवर्तन - **18 कि.मी**
  - > चांदोद और एकता नगर के बीच नई लाइन - **32 कि.मी**
  - > प्रतापनगर और एकता नगर के बीच विद्युतीकरण - **80 कि.मी**
- दिनांक 17 जनवरी, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परियोजना का उद्घाटन किया गया
- देश के विभिन्न हिस्सों से एकता नगर के लिए 10 ट्रेनें शुरू की गईं
- भूमि अधिग्रहण जुलाई, 2020 में पूरा हो गया और परियोजना को रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए फ़ास्ट ट्रैक किया गया
- विस्तारित मानसून और कोविड-19 जैसी बाधाओं पर काबू पाया गया और परियोजना को समय से पहले पूरा किया गया
- तेजी से कार्य निष्पादन के लिए आधुनिक नवीन इंजीनियरिंग तकनीक और उपकरण का उपयोग किया गया
- एकता नगर स्टेशन स्थापना के बाद से भारतीय रेल पर पहली **ग्रीन स्टेशन** बिल्डिंग है - इसके उद्घाटन के दिन से इसे अनंतिम प्लेटिनम रेटिंग प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है
- कॉन्कोर्स में स्टेशन भवन की ओर मुख किये स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की **12 फीट** की प्रतिकृति स्थापित है
- अहमदाबाद - एकता नगर जनशताब्दी एक्सप्रेस में एक ब्रॉड गेज **LHB विस्टाडोम कोच** की शुरुआत की गई

एकता नगर स्टेशन - ग्रीन स्टेशन बिल्डिंग

नए भारत का नया रेलवे स्टेशन गांधीनगर केपिटल

गांधीनगर रेलवे स्टेशन बिल्डिंग का अग्रभाग

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल प्रतिदिन नये मील के पत्थर स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। इस दिशा में गांधीनगर केपिटल में एक विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन विकसित किया गया है। गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन का उन्नयन 71.50 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। **पुनर्विकसित गांधीनगर स्टेशन का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 16 जुलाई, 2021 को किया गया।**

पुनर्विकसित गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन की मुख्य विशेषताएँ

- **अलग आगमन और प्रस्थान**
- **163 कारों, 40 ऑटो रिक्शा और 120 टू-व्हीलर वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा**
- **480 यात्रियों के बैठने की क्षमता वाले वेटिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र)**
- **विस्तृत टिकट सुविधा के साथ डबल ऊंचाई वाली प्रवेश लॉबी**

- **दिव्यांग मित्रवत विशेष टिकट काउंटर, रैंप, लिफ्ट, समर्पित पार्किंग स्थान**
- **2 एस्केलेटर्स, 3 लिफ्ट्स और 2 सबवे (भूमिगत मार्ग)**
- **वाई-फाई कनेक्टिविटी**
- **अंतर-धार्मिक प्रार्थना कक्ष, अलग शिशु आहार कक्ष**
- **केंद्रीकृत एसी प्रतीक्षालय में 40 लोगों के बैठने की क्षमता**
- **फैला हुआ स्टेशन कॉनकोर्स क्षेत्र (7096 वर्गमीटर)**
- **LED वॉल डिस्प्ले लाउंज के साथ आर्ट गैलरी**
- **इमारत को ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सुविधाओं के साथ डिजाइन और निर्मित की गई है**
- **इस बिल्डिंग के सिविल ढांचे को 120 साल के जीवन काल के लिए डिजाइन किया गया है**
- **इसका बाहरी अग्रभाग अत्याधुनिक है**
- **ऑल वेदर प्रूफ कॉलज़िप एल्युमिनियम शीटिंग के साथ प्लेटफॉर्म पर 105 मीटर स्पैन का एक अनूठा कॉलम मुफ्त और किफायती स्पेस फ्रेम बनाया गया है**

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

भारत में पहली बार बुलेट ट्रेनः
मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

मुंबई - अहमदाबाद हाई स्पीड रेल दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय में लगभग 2 घंटे घटाने की परिकल्पना करती है। यह जापानी शिंकानसेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा, जिसे पिछले 50 वर्षों में रिकॉर्ड शून्य सांघातिकता और 1 मिनट से कम की देरी के लिए जाना जाता है।

इस हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का लक्ष्य शुरू में प्रत्येक दिशा में प्रति दिन 17,900 यात्रियों को सेवा देना है, जिसे बाद में वर्ष 2053 तक प्रत्येक दिशा में 92,900 यात्रियों तक बढ़ाया जाएगा।

गुजरात में परियोजना की प्रगति

- वायडक्ट का 155 किमी और पियर का 297 किमी कार्य पूरा हो गया है।
- पार, पूर्णा, मिंढोला, अंबिका, औरंगा, वेंगनिया और मोहर जैसी सात नदियों पर पुल का काम पूरा हो चुका है तथा नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी अन्य महत्वपूर्ण नदियों पर भी पुल का काम प्रगति पर है।

- सूरत, गुजरात में NH 53 पर 70 मीटर लम्बा और 673 MT वजन वाले पहले स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया है।

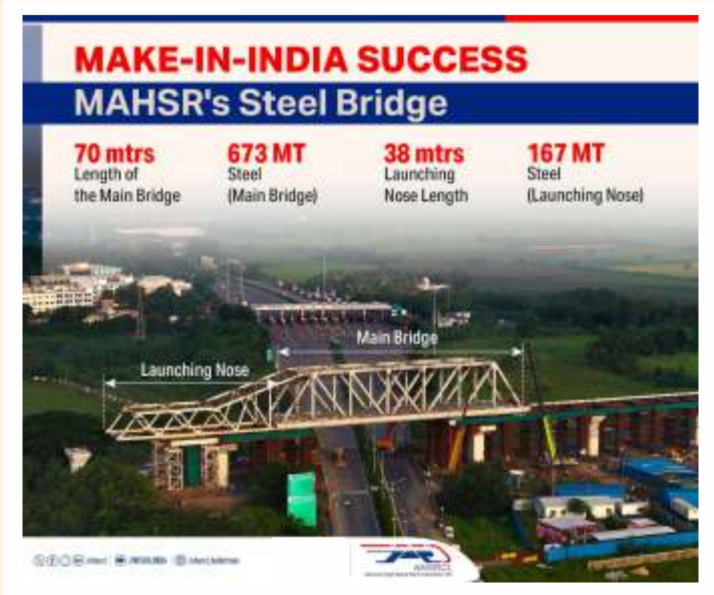

सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का कार्य प्रगति पर

- गुजरात में वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती जैसे आठ बुलेट ट्रेन स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।
- सूरत डिपो का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है।
- साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो का भूमि कार्य पूरा हो चुका है और प्रशासनिक भवन के लिए रीइन्फोर्स्ड सीमेंट कंक्रीट (RCC) का काम प्रगति पर है।
- गुजरात में ट्रैक बिछाने का काम भी प्रगति पर है।

भूमि अधिग्रहण की स्थिति

गुजरात 100%
दादरा और नगर हवेली 100%
महाराष्ट्र 100%

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) - राष्ट्र निर्माण की ओर एक कदम

- भारत के पश्चिमी भागों में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT) को दादरी से जोड़ने वाला 1506 किमी का डबल लाइन इलेक्ट्रिक ट्रैक माल ढुलाई के लिए समर्पित है
- वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का 565 किमी, अर्थात कुल लंबाई का 38% गुजरात राज्य से होकर गुजरता है
- गुजरात में WDFC का विस्तार कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यह पूर्णतः क्रियाशील है।
- इसमें गुजरात के 12 जिले अर्थात बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, खेड़ा, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी और वलसाड शामिल हैं
- 102 कि.मी. (महाराष्ट्र में वैतरणा से JNPT तक) को छोड़कर 1404 किमी (93.2%) का WDFC पूरा हो चुका है
- 65 रोड ओवर ब्रिज (ROBs) और 71 रोड अंडर ब्रिज (RUBs) पूर्ण हो चुके हैं
- सभी 17 रेलवे फ्लाई ओवर (RFOs) पूरे हो चुके हैं

ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (OCC), अहमदाबाद
WDFC का नियंत्रण केंद्र

- इस परियोजना में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (GCT) नीति के तहत प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल (PFTs), मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क्स (MMLPs), कार्गो टर्मिनल्स और गुड्स शेड्स का विकास शामिल है
- गुजरात में डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में कई फीडर रूट्स हैं, जिनमें पीपावाव-सुरेंद्रनगर-विरमगाम-महेसाणा (395 किमी), कांडला पोर्ट-गांधीधाम-पालनपुर (312 किमी), मुंद्रा बन्दरगाह-गांधीधाम (66 किमी), विरमगाम-सामाख्याली (182 किमी), हजीरा - सूरत (40 किमी) और भरूच - दहेज (62 किमी) शामिल हैं
- पीपावाव, कांडला, मुंद्रा, हजीरा, पोरबंदर और जामनगर बंदरगाहों जैसे निजी साइडिंग और बंदरगाहों के साथ रेल संपर्क अतिरिक्त निर्यात-आयात के अवसर लाएगा
- इस परियोजना में क्रमशः न्यू संजाली और वरणामा (कॉनकोर) में प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल्स (PFTs) और मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क्स (MMLPs) का विकास शामिल है
- GCT नीति के तहत पांच कार्गो टर्मिनलों की पहचान की गई है, जिसमें न्यू पालनपुर, न्यू गोठनगाम, न्यू उधना, न्यू अंचेली और न्यू पारडी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त न्यू श्री अमीरगढ़ और न्यू पालनपुर में दो गुड्स शेड बनाने की योजना है
- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर माल की आवाजाही को स्थानांतरित करने के परिणामस्वरूप अतिरिक्त क्षमता रिलीज होने के कारण मौजूदा लाइनों पर अधिक पैसेंजर ट्रेनें चलाई जा सकती हैं
- यह गुजरात और अन्य राज्यों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा

मिशन रफ़्तारः नए भारत की गति में वृद्धि

- मुंबई-सूरत-वडोदरा-दिल्ली और मुंबई-वडोदरा-अहमदाबाद खंडों पर ट्रेनों की गति बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। इसके अलावा, इन खंडों पर गति बढ़ाकर 160 किमी प्रति घंटा की जा रही है
- मिशन रफ़्तार का उद्देश्य यात्री ट्रेनों को अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे की गति से चलाकर व्यस्त मार्गों पर यात्रा के समय को कम करना है
- ट्रेन यात्रा को गति देने के लिए 1,525 किलोमीटर लंबे दिल्ली-हावड़ा और 1,479 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई खंडों को मिशन रफ्तार के तहत लिया जा रहा है

- मुंबई-दिल्ली मार्ग में, कुल 1379 RKM में से, पूरे मार्ग का लगभग 50% अर्थात मुंबई सेंट्रल से नागदा (694 RKM) पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है
- इसके अलावा, वडोदरा और अहमदाबाद खंड (100 RKM) को शामिल किया गया है
- इस कार्य को करने के लिए पश्चिम रेलवे को 3950 करोड़ रुपये की एक विस्तृत अनुमानित लागत मंजूर की गई है
- पश्चिम रेलवे मुंबई-अहमदाबाद खंड पर 226 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मवेशियों को रोकने हेतु फेंसिंग वॉल (अवरोध लगाने की अनुमानित लंबाई: 565 किमी) का निर्माण कर रही है। मवेशी दुर्घटनाओं के मामलों को खत्म करने के लिए भारतीय रेल पर यह अपनी तरह की पहली बार अपनाई गई पहल है
- जियो सेल्स के उपयोग से ट्रेन की गति को बढ़ाकर 160 किलोमीटर प्रति घंटा करने के लिए पुल के एप्रोच को मजबूत करने का काम 126 पुलों पर पूरा हो चुका है।
- कार्य को पूर्ण करने की लक्षित तिथि: अगस्त, 2024

क्षमता में वृद्धि

- 32 नए स्टेशनों को कार्यान्वित किया गया
- संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 94 नए प्लेटफॉर्म का प्रावधान
- कोचों की संख्या बढ़ाने और यात्रियों की आवाजाही में मदद करने के लिए 195 प्लेटफॉर्मों का विस्तार किया गया और 241 प्लेटफॉर्मों की ऊंचाई बढ़ाई गई
- समयपालन और संरक्षा में वृद्धि के साथ-साथ ट्रेन संचालन में सुधार के लिए 228 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का प्रावधान किया गया
- 180 स्थायी गति प्रतिबंधों सहित 191 गतिशीलता बाधाओं को हटा दिया गया
- 97 खंडों पर ट्रेन की गति बढ़ाई गई, जिससे यात्रा में लगने वाले समय में लगभग 440 मिनट की बचत हुई
- राजकोट-सुरेंद्रनगर खंड में थान स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की शुरुआत के साथ, मेकैनिकल सिग्नलिंग सिस्टम, जिसे गुजरात में ब्रॉड गेज नेटवर्क से पूरी तरह से हटा दिया गया है, का युग समाप्त हो गया है

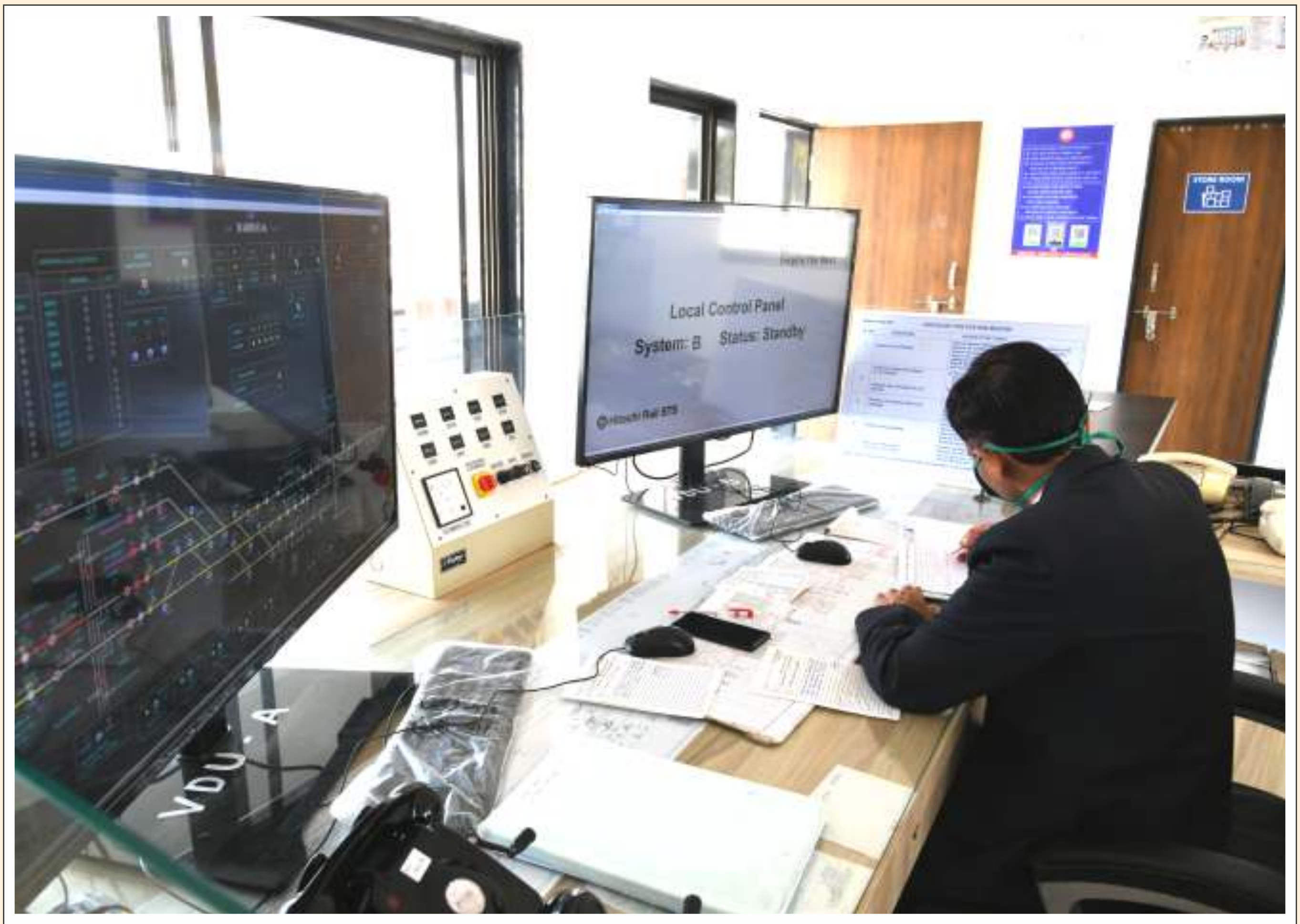

डभोई जंक्शन स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग

स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का अपग्रेडेशन

97 लिफ्ट्स कार्यान्वित

50 एस्केलेटर्स कार्यान्वित

- यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए 97 लिफ्ट और 50 एस्केलेटर्स लगाए गए
- 39 स्टेशनों पर शिशु आहार कक्ष उपलब्ध कराए गए
- बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और बीमार लोगों के लाभ के लिए बिना सीढ़ियां चढ़े एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए वडोदरा और आणंद स्टेशनों पर मोटरयुक्त सीढ़ी चढ़ने वाली व्हील चेयर प्रदान की गई
- मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस और अहमदाबाद - एकता नगर जनशताब्दी एक्सप्रेस में विस्टा डोम कोचों की शुरुआत की गई
- मुंबई - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और मुंबई - हज़रत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस में तेजस प्रकार के स्मार्ट स्लीपर डिब्बे शुरू किए गए
- बिलिमोरा-वघई हेरिटेज खंड में AC टूरिस्ट कोच की शुरुआत।
- गुजरात की पहली स्टीम हेरिटेज स्पेशल ट्रेन एकता नगर और अहमदाबाद के बीच शुरू की गई
- दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑनलाइन PRS टिकट बुकिंग की सुविधा हेतु विशेष आई डी कार्ड जारी किए जा रहे हैं
- 5 स्टेशनों पर बैटरी चालित कार्ट की सुविधा
- सूरत स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम खोला गया
- राजकोट स्टेशन पर रेस्तरां ऑन व्हील्स खोला गया

वडोदरा स्टेशन पर सीढ़ी चढ़ने वाला मोटराइज्ड व्हील चेयर

371 रैंप्स कार्यान्वित

अहमदाबाद स्टेशन पर IRCTC लाउंज

5 स्टेशनों पर बैटरी चालित कार्ट की व्यवस्था

स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का अपग्रेडेशन

भक्तिनगर में नया बुकिंग कार्यालय

वलसाड स्टेशन पर नवनिर्मित प्रतीक्षालय

बिलिमोरा-वघई सेक्शन में AC टूरिस्ट कोच

147 FOBs कार्यान्वित किए गए

525 शौचालय ब्लॉक चालू किए गए

वीरपुर में दिव्यांग शौचालय ब्लॉक

- 20 विश्राम गृहों की व्यवस्था/अपग्रेड किया गया
- 56 नए बुकिंग कार्यालय प्रदान किए गए
- 16 स्टेशनों पर बेहतर रोशनी प्रदान की गई
- 203 वाटर प्यूरीफायर प्रदान किए गए

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का अपग्रेडेशन

286 कवरशेड्स का निर्माण

नज़रबाग में उँचे प्लेटफॉर्म

चुडा में प्लेटफार्म का विस्तार

जूनागढ़ में नया वातानुकूलित प्रतीक्षालय

83 प्रतीक्षालयों की व्यवस्था/अपग्रेड

3889 पेयजल नलों की व्यवस्था

यात्री सुविधाओं का अपग्रेडेशन

- गांधीधाम, भुज, उधना, वलसाड कोचिंग डिपो और मेमू कार शेड, वडोदरा में स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट
- सूरत, कांकरिया और साबरमती कोचिंग डिपो में जल्द ही चालू किया जाएगा
- वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, दाहोद, राजकोट, जामनगर, भीलडी और महेसाणा स्टेशनों पर क्विक ट्रेन वाटरिंग सिस्टम की व्यवस्था

सूरत में क्विक ट्रेन वॉटरिंग प्लांट

वडोदरा मेमू कारशेड में ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

सुरक्षा को पुख्ता करना

कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग करता हुआ रेल सुरक्षा बल कर्मी

- वीडियो सर्विलांस सिस्टम (VSS) के तहत स्टेशनों पर 902 CCTV कैमरे लगाए गए जिनमें सूरत में एकीकृत सुरक्षा प्रणाली के तहत 85 कैमरे और अहमदाबाद स्टेशनों पर 102 कैमरे लगाए गए
- RPF कर्मियों को 143 बॉडी कैमरे प्रदान किए गए
- RPF कर्मियों को 10 सेगवे प्रदान किए गए
- स्टेशनों पर 10 बैगेज स्कैनर्स और 60 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर्स (DFMDs) प्रदान किए गए

डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ प्रगति

321 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा

इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन चार्टिंग डिस्प्ले सिस्टम

- 321 स्टेशनों पर निःशुल्क वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गई
- 31 स्टेशनों पर रिटायरिंग रूम की ऑनलाइन बुकिंग
- 54 स्टेशनों पर कोच मार्गदर्शन प्रणाली और 40 स्टेशनों पर ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड्स उपलब्ध कराए गए
- यात्रियों की सुविधा के लिए कई हेल्पलाइन नंबरों के एकीकरण के साथ रेल मदद ऐप पेश किया गया

- यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप डिजिटल टिकटिंग को प्रोत्साहित करता है, सेल्फ-टिकटिंग को बढ़ावा देता है और यात्रियों को उनके घर बैठे टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करता है

गुड्स शेडों में सुधार कार्य

5 गुड्स शेडों में सुधार किया गया

❖ नडियाद गुड्स शेड ❖ राजकोट गुड्स शेड ❖ गांधीधाम गुड्स शेड
❖ आदरी रोड गुड्स शेड ❖ वलसाड गुड्स शेड

निम्नलिखित सुधारों पर विशेष ध्यान

❖ पहुंच मार्ग ❖ प्लेटफॉर्म सरफेस ❖ प्रकाश व्यवस्था ❖ श्रमिकों की व्यवस्था
❖ कवर शेड रिपेअर ❖ सर्क्युलेटिंग एरिया इत्यादि

पहले **गांधीधाम गुड्स शेड** बाद में

पहले **नडियाद गुड्स शेड** बाद में

पहले **वलसाड गुड्स शेड** बाद में

माल यातायात के लिए नये टर्मिनल्स

नये गुड्स शेड

❖ बिलिमोरा ❖ करंबेले ❖ उधना न्यू गड्स शेड
❖ कपडवंज ❖ चम्पानेर ❖ छोटा उदेपुर
❖ मियागाम करजन ❖ देशलपुर ❖ हिम्मतनगर ❖ छारोड़ी
❖ भांडु-मोटीदाउ ❖ देत्रोज ❖ शीरवा ❖ धोराजी ❖ गुमानदेव ❖ कांसा
❖ विंड मिल ❖ दुधखेड़ा ❖ धौसवास ❖ नियोल ❖ शिहोरी

नई प्राइवेट साइडिंग

❖ मैसर्स HPCL, पिलोल
❖ मेसर्स डोमेस्टिक कंटेनर टर्मिनल, खोडियार ❖ मैसर्स ओरिएंटल फाऊंड्री प्राइवेट लिमिटेड
❖ मेसर्स गेटवे रेल फ्रेट लिमिटेड, विरमगाम ❖ मेसर्स प्लासर इंडिया प्रा. लिमिटेड, लाकोद्रा
❖ मेसर्स लाफार्ज सीमेंट, गंभीरी रोड ❖ मेसर्स जे.के. सीमेंट, गंभीरी रोड ❖ मेसर्स NTPC, निमरखेड़ी
❖ मेसर्स वंडर सीमेंट लिमिटेड, नरडाणा

नये प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल्स

❖ मेसर्स अडानी फॉरवर्डिंग एजेंट प्रा. लि., संजान
❖ मेसर्स अहीर साल्ट एंड एलाइड प्रोडक्ट प्रा. लिमिटेड, शीरवा
❖ मेसर्स टोटल शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्रा. लिमिटेड, भंकोड़ा
❖ मेसर्स शिव कैरियर रोडवेज प्रा. लिमिटेड, सुखपुर
❖ मेसर्स हस्ती पेट्रो केमिकल एंड शिपिंग लिमिटेड, साणंद
❖ मेसर्स कॉन्टिनेंटल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (न्हावा सेवा) लिमिटेड, जखवाडा
❖ मेसर्स आर्या ओशन्स लॉजिस्टिक्स पार्क प्रा. लिमिटेड, मियाणा ❖ मेसर्स KRIL, कोसाड, गोठनगाम

जखवाडा में प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल

पोर्ट टर्मिनल

❖ मेसर्स अडानी पोर्ट स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, मुंद्रा
❖ मेसर्स गुजरात पीपावाव पोर्ट लिमिटेड (GPPL), पीपावाव
❖ बेदी पोर्ट, विंडमिल ❖ ड्राई बल्क टर्मिनल कांडला (टूना-टेकरा), गांधीधाम

अडानी पोर्ट विशेष आर्थिक क्षेत्र, मुंद्रा

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल्स

❖ मेसर्स कॉनकॉर, वरणामा (वडोदरा)
❖ मेसर्स नवकार कॉर्पोरेशन लिमिटेड, वधर्व ❖ मेसर्स कॉनकॉर, दहेज
❖ मेसर्स लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (पीपावाव) प्रा. लि., लीलीया मोटा
❖ मेसर्स मारुति सुजुकी लिमिटेड, बेचराजी
❖ मेसर्स आर्य मल्टीलॉजिस्टिक्स प्रा. लि., सुरबारी
❖ मेसर्स पेगासस इनलैंड कंटेनर डिपो, नामली
❖ मेसर्स अडानी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, विरोचन नक्षर
❖ मेसर्स लीप एग्री लॉजिस्टिक (बड़ौदा) प्रा. लि., कायावरोहण (वडोदरा)
❖ मेसर्स वंडर सीमेंट लि., टिम्बा रोड

कॉनकॉर, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, वरणामा

रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा

Rail Post Gati Shakti Express Service

प्रधानमंत्री गति शक्ति परियोजना को बढ़ावा देने हेतु, भारतीय रेल ने भारतीय डाक के सहयोग से सूरत स्टेशन पर पार्सल ग्राहकों को एंड टू एंड लॉजिस्टिक सेवा प्रदान करने के लिए रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा की नई पहल शुरू की है।

- भारतीय रेल पर अपनी तरह की पहली बार की गई पहल जो सूरत स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19045 ताप्ती गंगा एक्सप्रेस पर एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू हुई
- पार्सल ग्राहकों को उन्नत सुरक्षा और ट्रैकिंग सुविधा के साथ डोर टू डोर अनुभव प्रदान करने में मदद करेगा
- सूरत स्टेशन पर पार्सल शेड को हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनलों पर उपलब्ध उन्नत सुविधाओं जैसे कैस्टर बेड्स, कन्वेयर बेल्ट्स के साथ पुनर्निर्मित किया गया है
- पार्सल वैन में कैस्टर बेड्स लगे होते हैं, जिससे प्रेषित माल के बक्सों को आसानी से ले जाया जा सकता है
- ये डाक विभाग के पार्सल वैन से ट्रेन के पार्सल वैन तक प्रेषित माल के आसान और त्वरित परिवहन में सहायता करेंगे
- रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस कार्गो सेवा के तत्वावधान में ज्वाइंट पार्सल प्रोडक्ट (JPP) पहल के विस्तार के हिस्से के रूप में, निम्नलिखित मार्गों पर अधिक ट्रेनें चल रही हैं:
    - सूरत - नारायणपुर अनंत
    - सूरत/चलथान-कानपुर/नकहा जंगल

माल ढुलाई में उपलब्धियां

- पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 100 मिलियन टन क्लब के साथ ही 105 मिलियन टन की लोडिंग हासिल की। इसके साथ ही पश्चिम रेलवे विविध फ्रेट बास्केट सहित पहली गैर-कोयला बेल्ट में होने की योग्यता को बरक़रार रखा है
- पश्चिम रेलवे के कुल माल लदान में गुजरात का योगदान लगभग 80% है
- पश्चिम रेलवे के माल ढुलाई का बड़ा हिस्सा गुजरात राज्य खासकर राज्य में स्थित कई बंदरगाहों से उत्पन्न होता है
- पश्चिम रेलवे ने DFC फीडर मार्गों के उन्नत अवसंरचनात्मक विकास और सुदृढ़ीकरण के साथ माल परिवहन को अधिक तेज और किफायती बनाया है
- बिज़ेस डेवलपमेंट यूनिट्स मौजूदा और संभावित ग्राहकों तक बेहतर पहुंच के लिए स्थापित की गई हैं और अनुकूलित पैकेज के साथ आती हैं
- परंपरागत रूप से रोडवेज द्वारा परिवहन की जाने वाली वस्तुओं को रेलवे की तरफ आकर्षित करना
- बिज़ेस डेवलपमेंट यूनिट्स ने बांग्लादेश के लिए बुक किए गए माल से दो मालगाड़ियां चलाकर इतिहास रचा
- ई-कॉमर्स दिग्गजों ने अपने पार्सल के परिवहन के लिए रेलवे के साथ साझेदारी की है

इन वस्तुओं का परिवहन किया गया

❖ प्याज़, एडिबल ऑयल, मछली ❖ कीटनाशक ❖ ऑरगेनिक खाद ❖ क्लॉथ मेटेरियल्स
❖ रासायनिक डाई ❖ ऑटो कलपुर्ज़े ❖ हार्डवेयर सामग्री ❖ किचन का सामान

पार्सल ट्रेनों में आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई और माल एवं कंटेनरों की ढुलाई

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत पहल

- डाकोर, बजरंगपुरा, खंडेरी, बाजूद, आंबली रोड और सदानापुरा स्टेशनों को ग्रीन स्टेशन घोषित किया गया
- पश्चिम रेलवे के सभी ट्रेनों में बॉयो टॉइलेट लगाये गये
- ग्रीन रेटिंग सर्टिफिकेशन: अहमदाबाद - प्लैटिनम रेटिंग और वडोदरा - गोल्ड रेटिंग
- 63 ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (OBHS) की सुविधा उपलब्ध कराई गई
- 38 स्टेशनों पर 60 प्लास्टिक बॉटल क्रशिंग मशीनें लगाई गईं
- 108 स्टेशनों पर सफाई के ठेके दिए गए

गो ग्रीन पर्यावरण अनुकूल पहल के ज़रिये पर्यावरण की रक्षा

- सभी स्टेशनों पर LED बल्ब लगाये गये
- गांधीधाम, वडोदरा और अहमदाबाद स्टेशनों पर रिसायकल्ड प्लास्टिक बेंचें लगाईं गईं
- 2473.61 किलो वाट पावर क्षमता के सोलर प्लांट और 3.69 मेगा वाट रूफ टॉप सोलर पैनल लगाये गये
- दाहोद, गांधीधाम, भरूच स्टेशनों, प्रतापनगर कारखाना और DRM कार्यालय, अहमदाबाद में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाये गये
- प्रतापनगर, भुज और कांकरिया कोचिंग डिपो में वॉटर रिसायक्लिंग प्लांट लगाये गये
- वडोदरा के प्रतापनगर में बायो डिग्रेडेबल सॉलिड वेस्ट एंड बायोटेक वर्मी कंपोस्टिंग मशीन लगाया गया
- राजकोट, वडोदरा, गांधीधाम, अहमदाबाद और प्रतापनगर रेलवे कॉलोनी में सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट प्लांट लगाये गये
- अहमदाबाद और धांगध्रा रनिंग रूम तथा भावनगर में भी कंपोस्टिंग मशीनें लगाई गईं
- अहमदाबाद स्टेशन को क्लीन ट्रेन स्टेशन के रूप में नामित किया गया है
- साबरमती स्टेशन पर रिसायकल्ड वेस्ट मटेरियल से मॉडल ग्रीन टॉयलेट बनाया गया
- 38.94 लाख से अधिक पौधे लगाये गये
- अहमदाबाद, वडोदरा, मकरपुरा, उत्राण, डभोई, करमसद, खरसालिया, रनोली और मोडासा स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए
- विभिन्न स्थानों पर 46 प्राकृतिक वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं

राजकोट स्टेशन पर सोलर प्लांट

मकरपुरा स्टेशन पर LED लाइटें लगाई गई

स्टेशन की मैकेनाइज्ड क्लीनिंग

आत्मनिर्भर भारत

- गुजरात में रेलवे अस्पतालों में 2130 LPM की कुल क्षमता के साथ 3.80 करोड़ रूपये की लागत से पांच PSA ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए गए। अब PSA ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना से दाहोद, वडोदरा, भावनगर परा, राजकोट और अहमदाबाद के मंडलीय अस्पताल अपनी आवश्यकताओं के लिए ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं
- रेलवे कर्मचारियों, उनके परिवारों के साथ-साथ आम जनता के लिए रेलवे अस्पतालों में कोविड टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया
- 9 राज्यों में लगभग 9200 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन का परिवहन करने वाली 100 से अधिक ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गईं

वलसाड स्टेशन पर लगाए गए टीकाकरण शिविर में टीकाकरण कराते यात्री

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय प्रयास

कोविड -19 मरीजों के इलाज के लिए साबरमती और चांदलोडिया स्टेशनों पर उपलब्ध कराए गए कोविड केयर आइसोलेशन कोच

महामारी के खिलाफ़ जंग

श्रमिक स्पेशल ट्रेनें : मिशन घर वापसी

- रेलवे ने मानवीय पहल करते हुए श्रमिकों को उनके घर तक पहुँचाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई
- 1026 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें गुजरात से रवाना हुई
- 15.30 लाख श्रमिकों को 34 स्टेशनों से उनके होम टॉउन भेजा गया
- उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित 24 राज्यों के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं
- जिनसे 150 से ज्यादा शहरों और नगरों को जोड़ा गया
- गैर सरकारी संगठनों तथा रेल कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से ट्रेनों और स्टेशनों पर 7 लाख से अधिक लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतापनगर-केवड़िया रेल परियोजना का वर्चुअल उद्घाटन किया तथा देश के विभिन्न हिस्सों से 8 ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी असारवा-उदयपुर एक्सप्रेस के उद्घाटक सेवा को असारवा स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए

भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद एवं गुजरात के तत्कालीन माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश कोहली केवड़िया स्टेशन के निर्माण की आधारशिला रखने के अवसर पर

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे अहमदाबाद - मुंबई हाई-स्पीड रेल परियोजना के भूमि पूजन समारोह के अवसर पर

गुजरात की प्रगति के साथ निरंतर कदमताल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखते हुए

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई रेल परियोजनाओं अर्थात पुनर्विकसित गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन, वडनगर स्टेशन सहित गेज परिवर्तित सह विद्युतीकृत महेसाणा - वरेठा लाइन, नव विद्युतीकृत सुरेंद्रनगर-पीपावाव खंड को समर्पित किया और गांधीनगर केपिटल से दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में एक समारोह में
कई रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी एवं राष्ट्र को समर्पित किया और 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में कई रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखने के
दौरान डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अहमदाबाद के ऑपरेशनल कंट्रोल सेंटर (OCC) का दौरा किया।

आधुनिक प्रौद्योगिकी के बल पर उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदम

रेल बढ़े देश बढ़े
rail badhe desh badhe

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

INDIAN RAILWAYS भारतीय रेल

भारतीय रेल

WR - March 2024